GCG1-3 HI

यीशु सारे विश्वासियों को चेले बनाने के लिए बुलाता है - प्रोग्राम 3

अनाऊंसर: आप क्या सोचते हैं कि सबसे मुख्य बात क्या है?

नंबर एक बात जो यीशु चाहता है विश्वासी करे अमेरिका में, कैनडा में, मध्य अमेरिका में, दक्षिण अमेरिका में, यूरोप में, मध्य-पूर्व में, अफ्रीका, आशिया में, फिलिपीन्स और ऑस्ट्रेलिया में/

यीशु ने कहा जाओ और चेले बनाओ, चेला क्या है? आप चेला कैसे बनाते हैं?

आज मेरे मेहमान हैं जो हमने बताएँगे, वो हैं रॉबी गैलेटी, ऐसे मनुष्य जो 3200 लोगों के चर्च के पास्टर हैं/ और सुबह की चार आराधना होती हैं, इन्होने व्यक्तिगत रूप में चेले बनाए हैं, हर साल 7 या 8 लोगों को/ और वो भी आगे बढकर दूसरों को चेले बनाते हैं/

अब यदि आपने किसी को चेला नही बनाया है, क्या ये सच में संभव है कि आप इसे कर सकते हैं? आपको कौनसी व्यवहारिक बातें जानना जरूरी हैं?

आज आप इसे देखेगे, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, इस समय 200 देशों में ये प्रोग्राम जा रहा है, याने संसार के लोग देख रहे हैं, कि हम क्या करते हैं, हम सब जानते हैं, कि इस पृथ्वी पर 7बिलियन लोग हैं, और विश्वासी के नाते हमें जानना होगा कि साड़े चार बिलियन, प्रभु यीशु को नही जानते हैं, हमारे प्रभु यीशु ने हमें एक योजना दी है, उन तक पहुंचने के लिए, और हम इसी पर चर्चा कर रहे हैं, जिसे महान आज्ञा कहते हैं, मैंने एक विशेष बाइबल शिक्षक को न्योता दिया कि वो आकर हमें ये समझाए, और वो अद्भुत प्रतिज्ञाएँ बताए जो परमेश्वर ने अपने वचन में रखी है, जो इस महान आज्ञा ये घिरी है, और रॉबी आपने कहा कि यीशु ने उत्तर देते हुए महान आज्ञा में 5 अलग सवालों का जवाब दिया, वो क्या हैं?

रॉबी गैलेटी: यहाँ 5 सवाल हैं, हम किसी के पास जाए, हम कहाँ जाए? हम किसी के साथ जाएं, हम कैसे जाए? और फिर अंत में, हम क्यों जाए?

पहला सवाल, हम किसी के पास जाए? वचन में यहाँ यीशु ने कहा, इसलिए तुम जाकर चेले बनाओ/ सारे देशों से/ सारे देशों से ग्रीक शब्द है/ एथने इसी से हमने इंग्लिश शब्द एथनी सिटी मिलता है, ग्रीक इंग्लिश लैक्सीकॉन ने इस शब्द के लिए इस तरह से कहा है, ये तो लोगों का समूह है जो जुड़ा है, रिश्ते से, परंपरा से, और समान

रीतिरिवाजों से/ अब यही समस्या है जॉन, हम सोचने लगते हैं कि सारे देशों में जाओ, याने कोई भौगोलिक जगह होगी, लेकिन यीशु ने इसके बारे में लोगों के समूह के रूप में सोचा/ ठीक है, चलिए एक उदारहण देता हूँ/ इंडोनेशिया में, इंडोनेशिया एक देश है/ लेकिन इंडोनेशिया में लगभग 300 लोगों के समूह हैं, जिससे ये एक देश बनता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, यीशु ने हमें बताया है कि हर समूह के लोगों के पास जाना है/

रॉबी गैलेटी: जी, बिलकुल, अब, लोग महान आज्ञा का पालन क्यों नही करते हैं, वो देशों में क्यों नही जाते हैं, मैं सोचता हूँ कि महान आज्ञा महान आदेश से जुडी है/ आपको याद है यीशु ने बाइबल में कहा है, उसने कहा अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करना, अपने सारे मन, सारे प्राण, अपनी सारी शक्ति और सारी बुद्धि से प्रेम रखना, और अपने पडोसी से अपने जैसे प्रेम रखना, और संबंध तो ये है,यीशु ने कहा तुम अपने पडोसी के लिए प्रेम रखोगे, जब परमेश्वर के लिए प्रेम सही क्रम में होगा/

इसके बारे में सोचने का यही तरीका है, यदि हमारा समतल का संबंध बुरा है/ तो हमारा प्रभु के साथ का संबंध भी गलत ही होगा/ याने जब परमेश्वर के लिए हमारा प्रेम बढ़ता है/ तो स्वाभाविक रूप में दूसरों के लिए हमारा प्रेम भी बढ़ेगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, बिलकुल सही है?

रॉबी गैलेटी: युहन्ना इसे इस तरह से कहता है, पहला युहन्ना अध्याय 4 में, देखीए वचन 7 क्या कहता है/ हे प्रियों हम आपस में प्रेम रखे, क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है, और जो कोई प्रेम करता है वह परमेश्वर से जन्मा है, और परमेश्वर को जानता है, देखिए क्या कहता है, जो प्रेम नही रखता है वो परमेश्वर को नही जानता है, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है/ वचन 11, हे प्रियों, जब परमेश्वर ने हम से ऐसा प्रेम किया तो हम को भी आपस में प्रेम रखना चाहिए/ परमेश्वर को कभी किसी ने नही देखा, यदि हम आपस में प्रेम रखे तो परमेश्वर हम में बना रहता है, और उसका प्रेम हम में सिद्ध हो गया है/

हमने इसे कुछ एपिसोड्स पहले देखा है, पिता का प्रेम पुत्र में जाता है/ आत्मा के द्वारा, चेलों में जाता है,और जैसे हम दूसरों से प्रेम करने लगते हैं, पिता के प्रेम के कारण हमारे पास देशों के पास जाने के लिए दिल होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और हम इसे शुरू के चर्च में देखते हैं, वो ऐसे ही करते थे/

रॉबी गैलेटी: जी, देखिए, सुसमाचार प्रचार तो हम ने एक शाम की घटना बना दी है, और चर्च में एक शाम की' घटनाओं के लिए प्रभु की स्तुति हो, हमने सुसमाचार को गॉस्पल पीच जैसे बनाया है, या दुसरे व्यक्ति को ट्रैक देना बनाया है, और इसके लिए प्रभु की स्तुति हो, मैं अपने जीवन में इसका कईबार उपयोग करता हूँ, लेकिन हमें लोगों को उससे ज्यादा प्रेम करना चाहिए/ एक शाम की घटना से रे, हमें लोगों से प्रेम करना है, हर समय, हर जगह/ ये तो जागरूकता लाएगा, हमारे आस-पास में हमारे साथ के लोगों में, कि हम उनसे प्रेम करने लग जाए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी व्यवहारिक हो जाए, ये किसी के जीवन में कैसे दिखता है/

रॉबी गैलेटी: जी, ये तो उसी जगह पर जाना है/ उसी समय में, उन्ही लोगों से मिलने के लिए,शायद अकसर कॉफ़ी शॉप में मिलते हैं, हम वहां जाते हैं, मुझे कॉफ़ी पसंद हैं तो हम वहाँ जाते हैं, और आप लोगों से संबंध बनाते हैं, ये तो लोगों को जानना है, ये तो लोगों के साथ संबंध बनाना है/ और मैं अपने चर्च के सदस्यों से पूछना चाहता हूँ, हम कितने लोगों के साथ संबंध में हैं/ अच्छा सवाल ये है कि हम कितने अविश्वासियों को

जानते हैं? जानते हैं मसीही जीवन में, हम संसार से इतने दूर रह सकते हैं, हम मसीही स्कूल्स में जाते हैं, हम मसीही कॉलेज में जाते हैं, हमारे मसीही विवाह होते हैं, मसीही बप्तिस्मा होता है, हम मसीही सभाओं में जाते हैं, मसीही संडेस्कूल में जाते हैं, कि हम संसार से इतने दूर हो जाते हैं, कि हमारे बहुत से अविश्वासी दोस्त नही होते हैं/ और यीशु हम से कहता है, हमें खोए हुए लोगों तक जाना है/

खैर हम इसे कैसे करे, यीशु हमें बताता है, हमें वहाँ जाना चाहिए जहाँ पर लोग हैं/ याद है प्रेरितों के काम 1:8 में, यीशु स्वर्ग में उठाया जानेवाला था, और वो चेलों को ये दिलचस्प आज्ञा देता है, वो कहता है तुम सामर्थ पाओगे/ जब पवित आत्मा तुम पर आएगा/ और तुम मेरे गवाह होगे, यरूशलेम में, यहूदिया, सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक जाओ, वो चाहता था, कि चेले यरूशलेम में शुरू करे, देखिए जॉन, हम देशों में जाने के बारे में बहुत कुछ कहते है/ लेकिन पहले हम अपने पडोस में जाना भूल जाते है/ जानते है, इसके पहले कि हम देशों में जाए, हमें सडक पार करनी है, सडक पार करके किसीसे मिलना है, और उन्हें मसीह के बारे में बताना है/

फिर यीशु ने कहा एक बार तुम यरूशलेम में जाओ, अपने पडोस में, फिर यहूदिया में जाना, जो कि हमारा राज्य, जिस राज्य में रहते हैं वो हो सकता है/ फिर सामरिया में जाना, मुश्किल जगह पर, जो कि हम जिस देश में रहते हैं वो हो सकता है/ लेकिन फिर वो कहता है, पृथ्वी की छोर तक जाना/ अब मैं सोचा कि हमेशा यही दिलचस्प होता है, यहाँ जोडनेवाला शब्द तो या नही है, तुम मेरे गवाह होगे, यरूशलेम में, यहूदिया में, सामरिया में, या पृथ्वी की छोर तक/ ये तो और है/ और मैं विश्वासी के नाते सोचता हूँ, हमें महान आज्ञा का भागी होना है, संसार के इन सब चारों भागों में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप इसे कैसे करते हैं?

रॉबी गैलेटी: जी, यीशु ने इसे करने के लिए हमें कुछ दिलचस्प तरीके दिए हैं/ मैं आपको अपनी व्यक्तिगत कहानी बताता हूँ,मैं सोचता था कि परमेश्वर मेरा उपयोग बहुत अद्भुत रूप में प्रचारक के रूप में करेगा/ तो मैं भी आप ही के जैसे यात्रा करता था, मैं बड़े क्रुसेड करता था, कुछ साल पहले प्रभु ने मुझे फिलिपीन्स जाने के लिए कहा, उन्होंने मुझे बड़े यूथ क्रुसेड में प्रचार करने के लिए बुलाया था/ और हमने ऐसा ही किया, हमने वो जगह ली जो हायस्कुल और कॉलेज के बीच थी, उस समय जब विद्यार्थी क्लास से बाहर आ रहे थे, तब वर्शिप बैंड गा रहा था, और फिर मैं खड़े होकर प्रचार करता था, और जॉन ये अद्भुत था, परमेश्वर का आत्मा हम पर अद्भुत रूप में सभा में उंडेला गया, हम ने देखा, याने 2 दिनों में लगभग 1000 लोगों ने अपने जीवन प्रभु को दिया/ इसलिए नही कि मैं वक्ता था, लेकिन प्रभु का अनुग्रह था/ और जैसे मैं मंच से उतरा, प्रभु ने मेरे दिल से बातें की, और प्रभु ने मुझ से कहा कि तुम लोगों का क्या करोगे, जिन्होंने आज मेरे लिए निर्णय लिया है, उसने कहा क्या तुम इन्हें विश्वास में बढने में मदत करोगे? इन लोगों के साथ कौन फॉलो अप करेगा, और जैसे लाईट्स बंद किए गए, और जैसे साउण्ड की चीज़े उठाई गई, प्रभु मेरे दिल से बातें करने लगा, कि चेले बनाने और प्रचार करने का महत्व क्या है/

जॉन, मैं चाहता हूँ कि मैं जो कह रहा हूँ उसे आप अच्छे से समझ लीजिए/ हमें सुसमाचार प्रेजेंटेशन चाहिए, हमें ट्रैक्स चाहिए, हमें सुसमाचार के प्रोग्राम की जरूरत है/ लेकिन हमें व्यक्तिगत संबंधों की जरूरत है, हर विश्वासी को इस व्यक्तिगत संबंध को बढाते जाना चाहिए/ चर्च कैसे दिखेगा, यदि सारे विश्वासी लोगों के साथ संबंध बनाने और उससे बढ़ाने में सक्रिय रूप में आगे बढ़ते जाते हैं/ यीशु ने हमें आदर्श दिया, उसने 12 लोगों को लेकर पूरा इतिहास बदल दिया/ जॉन वेसली महान क्रांतिकारी उन्होंने इस तरह कहा, मुझे केवल 50 लोग दो जो केवल पाप से नफरत करे, और प्रभु से बढकर किसी से प्रेम न करे, और मैं ? संसार को उथल-पुथल कर दूंगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, लोग सोचते हैं, जानते हैं, रॉबी, मैं सोचता हूँ कि मेरा किसी के साथ संबंध है, मैं उनके साथ कॉफ़ी पिता हूँ, इसी तरह से हमारी मित्रता हुई है, बात तो ये है कि जब हम उनके साथ होते हैं तो उन्हें क्या बताना चाहिए? संदेश क्या हो

रॉबी गैलेटी: जी, ये अच्छा सवाल है, क्योंकि कॉफ़ी पिने के लिए कॉफ़ी पीना ही जवाब नही है/ हमें सुसमाचार के संदेश के साथ जाना चाहिए/ यीशु ने जो कहा वो बाहर भी गया, याद है मरकुस अध्याय 1 वचन 15, ये कहता है कि युहन्ना के पकड़वाए जाने के बाद, यीशु ने गलील में आकर परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार किया, और कहा, समय पूरा हुआ है और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है/ अब वो ये कैसे कह सकता था/ राज्य उनके आस-पास था क्योंकि वो उनके साथ था/ और फिर उसने ये शब्द कहे जो मुख्य थे/ मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो/ यही संदेश है, यही अधिकार पाया संदेश हमारे पास है/ और ये दो तरफा संदेश है/ सिक्के के एक तरफ पश्चाताप है, जो कि नकारात्मक पहलू है/ और सकारात्मक बाजु में प्रभु यीशु मसीह में विश्वास है/ चलिए पश्चाताप के बारे में देखे/

पश्चाताप तो वो विचार है, पीछे मुड़ने का, हम ने इसे पहले भी सुना है, याने किसी एक दिशा में आगे बढ़ते हैं और फिर अचानक जानते हैं कि हम गलत मार्ग में जा रहे हैं, और हम फिर जाते हैं, हमें पसंद है ये टेक्नोलॉजी जो हमारे पास है, जी पी एस सिस्टम, पुराने दिनों में मैं अपनी पत्नी पर आधारित था या परिवार के सदस्य पर आधारित रहते थे कि यहाँ मुड़ जाए,इन दिनों में हम ऐसे युग में रहते हैं, जहाँ जी पी एस कहता है, यदि संभव है तो सही यू-टर्न ले, जी ये पश्चाताप है, याने ये एक तरफ जाना है और फिर यू-टर्न लेकर वापस आते हैं, लेकिन ये उससे भी बढकर है, ये केवल मुड़ना नही, ये तो किसी के बारे में जो सोचते हैं उसे बदलना है, खासकर पाप, ये पाप को उस तरह से देखना है जैसे परमेश्वर देखता है, ये परमेश्वर के जैसे परमेश्वर पाप से नफरत करना है, और ये मुड़ना है, और गौर कीजिए, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास और भरोसा करना है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, रॉबी जव यीशु इस्राएल में आया, और उन्हें पश्चाताप करना था, कुछ चीजों से पश्चाताप करना करना था, एक तो उन्हें जानना था कि वो पापी हैं, उन्होंने सोचा कि वो परमेश्वर के लोग हैं, और वो इसे कर दिखाएगे, और यीशु ने कहा कि तुम्हें जानना होगा कि तुम प्रभु से सामने कैसे हो, तुमने व्यवस्था तोड़ी है, ठीक है, तुम्हें उद्धारक चाहिए, फिर उन्हें जानना था कि उद्धारक कौन है? उन्हें ये विश्वास करने में मुश्किल होता था कि वो परमेश्वर का मसीहा है, यीशु तो पुत्र परमेश्वर था/ ठीक है/ और आज लोगों को यही समस्या है, बहुत से लोग, सोचते हैं कि वो बहुत अच्छे हैं, यदि पडोसी कर सकता तो मैं कर सकता हूँ, यदि वो नही कर पाए तो आप नही कर सकते हैं, हमें समझना होगा कि परमेश्वर हमें कैसे देखता है, हमने उसकी व्यवस्था तोड़ी है, और आपको अपना मन बदलना है आप ठीक है ये नही सोचना है/ आप एक पापी हैं, आप परमेश्वर से अलग किए गए हैं, संबंध तोडा गया है,

अगली बात आपको अपना मन बदलना है कि उद्धारक कौन है/ ये आप नही हैं, आप इसे कर नही सकते हैं, और कुछ करे कि प्रभु को प्रसन्न करे/ ये तो ये सच्चाई है कि आप मानते हैं कि मैं एक पापी हूँ, और केवल यीशु ही उद्धारक है, केवल वही मुझे बचा सकता है, वो क्रूस पर मरने के लिए आया, उसने मेरे पापों के लिए दाम चुकाया, वो मुझे माफ करने के लिए तैयार है/

याने पश्चाताप, और मन का बदलना, मनोदशा को बदलना, ये तो ये मानना है कि मैं पहचानता हूँ कि मैं कौन हूँ, और आप हाथ थामें हैं, पश्चाताप तो हाथ थामना है, उसकी और विश्वास करते हैं, जब आप सच में विश्वास करते हैं, उस में जो सच में आपका उद्धार करता है/ विश्वास के बारे में थोडा बताइए/

रॉबी गैलेटी: जी, विश्वास ही वो विचार है, कि यीशु ने जो कहा है वो वही है, ये विश्वास करना, कि वो परमेश्वर का पुत्र है/ जगत की उत्पत्ति के पहले से चुना गया है, वो यहाँ सारे मनुष्य के पापों के लिए आया, केवल जीने के लिए नही लेकिन मरने और फिर जी उठने, कि स्वर्ग में उठाया जाए, और हम अपना विश्वास उसमे रखते हैं, हम विश्वास करते हैं कि यीशु ऐतिहासिक व्यक्ति है जो इस संसार में जीया और वो ही परमेश्वर है और इसलिए हम उस पर विश्वास रखते हैं, ये तो किसी बात पर विश्वास करने का विचार है, केवल विचार से ही नही, लेकिन क्रियाओं से भी, यदि मैं विश्वास करूं कि ये कुर्सी मुझे थाम लेगी, तो मैं दिनभर इस पर बैठ सकता हूँ/ लेकिन जब तक इस कुर्सी पर बैठने के द्वारा मैं अपने विश्वास का उपयोग करता हूँ याने इसी तरह से मैं प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करता हूँ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी हम कहते हैं यीशु यदि तू मुझे न बचाए, तो मैं इसे नही कर पाऊंगा, ये पूरी तरह से तुझ पर है, और हम पश्चाताप करते हैं, पश्चताप का विश्वास है, हम खुद पर भरोसा रखने के बजाए मसीह पर भरोसा रखते हैं, फिर वो आता है और वो हमें बदलता है,

और हमें अपने पड़ोसियों को यही संदेश देना है, जब आप शराबी थे और जब आप ड्रग्स लेते थे, आप जानते थे कि आप खुद इसे नही कर सकते हैं, आप तो पूरी तरह खत्म होने पर थे/ और आप मदत के लिए पुकार उठे, और उसने आपको माफ किया, और आप जैसे हैं वैसे ही उसने उठाया/

रॉबी गैलेटी: जी, इस दुनिया में मैं यही कहता हूँ जॉन, यदि ये ऐसा होना है तो मुझ पर आधारित है, लेकिन मैं ऐसी जगह पहुंचा याने दो बार री-हैब में गया, ड्रग्स और शराब का आदि हो चूका था, मैं ऐसी जगह पहुंचा था कि मैं खुद को बचा नही सकता था, मुझे सच में प्रभु तक पहुंचना था, और किसी से मुझे बचाने के लिए कहना था, और वो प्रभु यीशु मसीह था/ और उसके कारण मैंने अद्भुत रूप में उद्धार में बदलाव पाया/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और मैं अब प्रोग्राम देखनेवाले लोगों को पूछना चाहता हूँ, चलिए यहाँ रुकते हैं ठीक है, सवाल ये है क्या आपने पश्चाताप किया है, क्या आपने खुद को पापी के रूप में देखा है/ क्या आपने जाना है कि आप खुद को बचा नही सकते हैं, आप प्रभु के सामने आकर नही कह सकते हैं कि मैंने ये, ये और ये किया है/ ये काफी नही है, आपको स्वर्ग में जाने के लिए कितना अच्छा होना होगा, आपको सिद्ध होना होगा, यीशु ने कहा तुम सिध्द हो जाओ, जैसे तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है/ क्या आप सिद्ध हैं, हम में से कोई नही है/ आपको इसे पहचानना होगा और जानना होगा कि उद्धारक चाहिए, और उद्धारक कौन है, और उससे कहना है कि आपका उद्धार करे, और अपना भरोसा उस पर रखे, और वो आपके जीवन में आता है/ क्या आपने ऐसा किया है?

यदि आपने ऐसा नही किया है, तो क्यों न अभी इसे कर ले, बस उसे अपने जीवन में आने के लिए कहिए/ बस कहिए मैं अपने पापों से फिरता हूँ, मैं जो भी करता हूँ, और मैं मानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ, मैं चाहता हूँ कि मुझे उद्धार देकर बदल दे/ और इस पल से आगे, मैं यीशु पर भरोसा रखता हूँ कि वो मेरा पाप उठानेवाला है, और उसने वो दाम चुकाया जो जरूरी था कि मेरे सारे पापों से छुटकारा पाऊं, अगर आप अभी इसे करे, बाइबल कहती है कि जो भी परमेश्वर के नाम को पुकारेगा, वो उद्धार पाएगा,

और ये सुसमाचार है/ ये अद्भुत संदेश है जो मसीह चाहता है कि हम लोगो को बताए, उन के साथ बाटे, अब ब्रेक के बाद हम इस सवाल पर चर्चा करेगे, कि हम कैसे प्रभावी रूप में उन्हें बता सकते हैं/ इसके बारे में सुनेगे, तो हमारे साथ बने रही/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है हम लौट आए हैं और हम रॉबी गैलेटी से चर्चा कर रहे हैं, हम महान आज्ञा पर चर्चा कर रहे हैं, और हम देख रहे हैं कि सुसमाचार का संदेश क्या है, हम देख रहे है कि किस तरह से प्रभावी रूप में लोगों के साथ बाँट सकते हैं/ आप हमे सारांश में बताइए कि हम ने कहाँ से शुरू किया था और अब क्या देख रहे हैं?

रॉबी गैलेटी: जी, हमने चर्चा की है कि हम किसके पास जाते हैं, और वो लोगों का समूह है, हमने चर्चा की है कि हम कहाँ जाते हैं, और मैंने कहा कि हमने देशों में और पडोस में जाना है, तीसरा सवाल हमने पूछा था कि हम किसके साथ जाते हैं, और हमने सुसमाचार के बारे में चर्चा की, कि कैसे हमें मसीह का पश्चाताप का संदेश बताना है/ विश्वास में, अब सवाल ये है कि इसे कैसे करे/ हम इस संदेश को कैसे बांटे? और मैं इसे दो भागों में बाटना चाहता हूँ, सबसे पहले हमें बाँटना है, घोषणा करनी है, अब बाइबल में हम सुनते हैं कि हमें जाकर सुसमाचार प्रचार करना है, तो हम कहते हैं, पास्टर मैं प्रचारक नही हूँ, ये मेरे लिए उपयोगी नही है, लेकिन हम सबको यीशु मसीह का सुसमाचार प्रचार करने के लिए बुलाया है, हमें प्रचारक और सेमनरी डिग्री लेने की जरूरत नही है, कि लोगों को मसीह का प्रेम बांटे, और कैसे उन्हें अपने पापों से पश्चाताप करना है, कि वो मसीह में विश्वास कर सके/

लेकिन चलिए मैं आपको दिलचस्प बात बताऊ जो मैंने अपने जीवन में सीखी है/ गवाही सामर्थी होती है, जानते हैं जब मैं प्रभु के पास आया, जीवन की लतों से, ड्रग्स और शराब से, तो शुरू में मैंने एक बात बतानी शुरू की और वो मेरी गवाही थी,कैसे प्रभु ने मुझे बदल दिया, और मैंने सिखा कि बदले हुए जीवन के साथ वो बहस नही कर सकते हैं, जब कोई सुनता कि प्रभु ने हमारे जीवन में क्या किया है, मैं लोगों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ, हमने इसे नए नियम में देखा है/ युहन्ना अध्याय 4 में यीशु कुँए के पास गया और इस स्त्री से मिलता है, और उसकी गवाही, याने अपने नगर में वापस जाने के बाद, उसी से सारे लोग उससे मिलने के लिए आए/

इसे करने का एक और तरीका है कि लोगों के साथ जुड़ जाए, हमने इसके बारे में कुछ बताया है लेकिन ये उसी जगह पर जाना है, कि उन्ही लोगों को देखे, और प्रतिदिन उसी समय में, हमारे कॉम्प्लेक्स में एक सुविधा है, जिसे बी एक्स कहते हैं, ये हमारी वर्क आउट सुविधा है, मल्टी-परपस सुविधा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जिमनेसीयम और कसरत करने के लिए वहा सारी चीज़े रखी होती है/ ये अद्भुत है/

रॉबी गैलेटी: और देखिए, लगभग 3000 लोग उस सुविधा का लाभ लेने के लिए आते है, और 2800 लोग हमारे चर्च में नही आते हैं/ तो इस अद्भुत आउटरिच मौके के बारे में सोचिए/ अब मैं सुबह वर्क आउट के लिए जाता हूँ, सुबह वर्क आउट करने की कोशीश करता हूँ, हफ्ते में तीन दिन, जब मैं वहां जाता हूँ तो हमेशा मेरे आस-पास के लोगों के बारे में जागृत रहता हूँ, मैं हमेशा सोचता हूँ और नए लोगों से मिलना चाहता हूँ, और सोचता हूँ कि मैं कैसे लोगों से जुड़ सकता हूँ, सबसे पहला सवाल जो मैं कभी मुश्किल से पूछता हूँ, वो ये है, हे भाई, आप जानते हैं कि यदि आप मर जाए तो सीधे नरक में जाएगे/ मैं इस तरह से बातें नही करता हूँ, इस तरह के वाक्य या सवाल से/ सामान्य रूप में मैं इस तरह शुरू करता हूँ, भाई आपका नाम क्या है, मुझे बताइए कि आप क्या करते हैं, मुझे बताईये कि क्या आप पास में ही रहते हैं, और समय के साथ साथ मैं लोगों के साथ संबंध बनाने की कोशीश करता हूँ/ क्या आप जानते हैं कि पिछले 2 साल से, बहुत से लोग चर्च में आएं हैं, छोटे ग्रुप डीसायपलशिप में आएं हैं, इसलिए नही कि मैंने उन्हें एक लाइनर दिया या गॉस्पेल ट्रैक या गॉस्पेल

प्रेजेंटेशन दिया, ये तो इसलिए कि उन्होंने देखा कि ये भाई सच में मुझ से प्यार करते हैं और ये ट्रैक से परे मुझ से प्यार करेगे, और प्रेजेंटेशन से परे मुझ से प्यार करेगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मैं सोचता हूँ कि हमें लोगों को बताना है जिन्होंने इसे कभी नही किया है, वो सच में इसके बारे में जिज्ञासा रखते हैं, शायद वो पुरे जीवन भर चर्च में बैठे रहे और किसने उन्हें नही बताया कि वो ये कर सकते हैं/

रॉबी गैलेटी: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, जैसे सोचते हैं उससे भी ये आसान है/ यदि आप बातें करते हुए अपनी गवाही बताएगे, तो आप चकित हो जाएगे, कि लोग कैसे प्रतिउत्तर देते हैं/ बस इसकी कोशिश कीजिए/

रॉबी गैलेटी: जी, मैं जानता हूँ कि बहुत लोगों ने इसे सुना, एक कॉमेडियन और मैजीशियन एक्टिंग ग्रुप जिनका नाम है पैन एन्ड टैलर, ये लोग जो हाथ की सफाई करते हैं, पैन जेलेट जो पैन एन्ड टैलर के भागी हैं, वो तो नास्तिक थे, वो इसे कहने से लजाते नही थे, उन्होंने इसे पहले भी कहा, और एक बार उनके हाथ की सफाई के इस शो के बाद, एक भाई उनके पास आए जो कि गिडियन थे,उनके पास एक छोटी गिडियन बाइबल थी, नया नियम और भजन की किताब, और शो के बाद उन्होंने उन्हें ये दी, और कहा मुझे पता है शायद आप इसे न चाहे, मैं एक विश्वासी हूँ कोई प्रचारक नही हूँ, मेरे चर्च में केवल एक बिजनेस मैन हूँ, और बाइबल के पीछे उन्होंने कुछ नंबर लिखे थे, कि कैसे किसी भाई के संपर्क में आ सकते हैं, और उन्होंने कहा कि यदि आपको कुछ चाहिए तो मुझे फोन कीजिए/ खैर पैन जेलेट इंटरनेट पर गए और ये वीडियो रेकोर्ड करते हैं, और मैं उन शब्दों को पढ़ना चाहता हूँ, ये उनके खुद के शब्द हैं कि उन्होंने इस भाई के बारे में क्या महसूस किया/

ये उनके शब्द हैं, मैंने हमेशा कहा है कि मैं उन लोगों का आदर नही करता जो प्रोसेलटाइज नही हैं, याने एक से दुसरे दृष्टिकोण में नही जाते हैं, उन्होंने कहा मैं इसका आदर ही नही करता, यदि आप ये विश्वास करते हैं कि कोई नर्क है स्वर्ग है, और लोग नर्क में जा सकते और अनंतजीवन नही पाते या जो भी हो/ और आप सोचते हैं कि ये लोगों को बताने लायक नही है क्योंकि ये सामाजिक रूप में अजीब होगा,और फिर नास्तिक हैं जो सोचते हैं कि लोगों को प्रोसेलटाइज नही होना चाहिए,तो उन्हें अलग रखिए, अपनी आस्था अपने पास रखिए, तो कितना, देखिए ये बात है जॉन, हमें किसी से कितनी नफरत करनी होगी कि उन्हें ये न बताए/ ये तो किसी ने कितनी नफरत करनी होगी कि ये कहे कि अनंतजीवन संभव है लेकिन आप उन्हें उसके बारे में नही बताएगे/ मतलब यदि मैं बिना किसी संदेह से विश्वास करता हूँ, कि यदि कोई ट्रक सडक पर आपकी ओर आ रहे है, और यदि आप विश्वास नही करते हैं कि ये ट्रक आकर आप से टकराएगा, तो निश्चय ही ऐसा समय आएगा जब मैं आपको अलग करूंगा, और ये तो उससे भी बहुत महत्वपूर्ण है/

उन्होंने खुद इस बात को कहा, यदि आप किसी से काफी प्यार करते हैं, तो आपको उन्हें सुसमाचार का ये अद्भुत संदेश जरुर बताए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है रॉबी क्यों कर विश्वासी लोग जो अभी सुन रहे हैं, वो दुसरे लोगों तक जाकर सुसमाचार क्यों बताए, इसकी बुनियाद क्या है/

रॉबी गैलेटी: मैं सोचता हूँ कि प्रोत्साहित करनेवाली बात तो मसीह है/ यीशु मसीह एक उत्तम उदाहरण है एक छोटी मिशन ट्रिप का, उसने खुद मनुष्य का रूप ले लिया, वो स्वर्ग में महान महलों को छोडकर आया, वो एक बेकार गौशाले में आया, हमारे लिए कि हम सच्चे अधीनता के लिए आदर्श हो जाए, और पिता की सेवा करे, हम दुनिया में जी रहे हैं जॉन, जहाँ 16 हजार लोगों के समूह हैं, 16 हजार, इन 16 हजार में से, 6 हजार लोगों

के समूह ने कभी यीशु मसीह का नाम नही सुना है/ वो सुसमाचार तक नही पहुंच पाते हैं, चलिए मैं एक बात कहूँ, जो जीवन लोग हमेशा चाहते थे, शायद मिशन में वो हमेशा डरते रहे, जो जीवन वो हमेशा चाहते थे, शायद मिशन में वो हमेशा डरते थे, प्रेरित पतरस कहता है कि मैं कभी अन्यजाती के पास नही जाता, यीशु ने उसे अन्यजातीमें भेजा, वो कोर्नेलयुस से मिलता है और जानता है कि ये उसकी मंजिल है/ पौलुस कहता है कि मैं विश्वासियों के साथ कभी नही रहता, वो दमिश्क के मार्ग पर यीशु से मिलता है/ वो वहां जाता है और अपना जीवन पाता है/

विश्वासी के नाते हमें इच्छा रखनी है, कि हर चीज़ के लिए हाँ कहे, जानते हैं मैं लोगों कि ये कहते हुए सुनता हूँ, मैं कभी उस शहर में नही जाउगा, मैं विदेशों में नही जाऊँगा, मैं कभी अफ्रीका नही जाउगा, मैं कभी युक्रेन नही जाउगा, मैं कभी दू:खी स्त्रियों के आसरे में नही जाउंगी, विश्वासी के नाते हमें इच्छा रखनी है कि हर चीज के लिए हाँ कहे, प्रभु जहाँ तू चाहे मैं जाऊँगा, बात मैं वहां कैसे पहुंचू? मुझे भेज मैं जाने के लिए तैयार हूँ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अद्‌भुत सलाह है और अद्‌भुत निर्देश हैं, अगले हफ्ते दोस्तों हम इसे देखेगे, और प्रभु यीशु दी महान आज्ञा का एक और महान भाग देखेगे, ये तो पूरी तरह से चकित करनेवाला है, वो कहता है कि जाकर दूसरों को सिखाओ, और वो सब जो मैंने आज्ञा दी है उसे मानना सिखाओ/ क्या ये बड़ी आज्ञा सुनाई नही देती है, यदि आप सेमनरी में गए हैं, हम बताएगे कि आप कैसे साधारण विश्वासी के रूप में, देखीए हर विश्वासी जाकर इसे कर सकता है/ आप चूकना नही चाहेगे आशा करता हूँ कि आप जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्‌ ्रद्द ठ्ठड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्रद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्र्द्धठ्ठण्द्य 2017 ॠच्ङक्ष्